प्रकाशन तिथि : 15 सितम्बर, 2023
प्रेषण तिथि : 19 सितम्बर, 2023

'डाक पंजियन सं. जयपुर सिटी/247/2021-23
स.प.सं. 66332/97

पथ-प्रेरक

पाक्षिक

वर्ष 27 | अंक 13 | कुल पृष्ठ: 8 | एक प्रति: रुपए 7.00 | वार्षिक : रुपए 150/-

निरंतर जारी है युवाओं में क्षत्रियोचित संस्कारों का सिंचन

(12 शिविरों में 1400 से अधिक शिविरार्थियों ने लिया प्रशिक्षण)

श्री क्षत्रिय युवक संघ के शिविरों के माध्यम से समाज की युवा पीढ़ी में क्षात्र-संस्कारों के सिंचन का क्रम अनवरत जारी है। शिविरों की इस श्रृंखला में 27 अगस्त से 10 सितंबर की अवधि में एक बाल शिविर सहित 12 प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर रूपी कड़ियां और जुड़ीं। इन शिविरों में 1400 से अधिक शिविरार्थियों ने संघ का प्राथमिक स्तर का प्रशिक्षण प्राप्त किया। नागौर संभाग में कुचामन के चावण्डिया कालोली गांव में श्री क्षत्रिय युवक संघ का प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 27 से 30 अगस्त तक साधना संगम संस्थान के तत्वावधान में आयोजित हुआ। शिविर का संचालन भगवत सिंह सिंघाणा द्वारा किया गया। उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि हमने यहां जो साधना प्रारंभ की है, जो अभ्यास

हमें यहां करवाया गया है और उस अभ्यास से हमारे भीतर जो परिवर्तन प्रारंभ हुआ है, वह रुकना नहीं चाहिए। यह परिवर्तन हमारे जीवन का स्थाई हिस्सा बन जाए, इसके लिए हमें निरंतर संघ के संपर्क में रहना होगा। शिविर, शाखा और संघ साहित्य का अध्ययन आदि इस संपर्क के श्रेष्ठ माध्यम हैं। शिविर के अंतिम दो दिन माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास का सान्निध्य भी शिविरार्थियों को प्राप्त हुआ। शिविर के विदाई कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रनायक दुगार्दास जी की जयंती भी मनाई गई। शिविर में चावण्डिया, कुकनवाली, चितावा, छापरी, परेवड़ी, कारकेडी, सूरतपुरा, दौलतपुरा, चिड़ासरा, खानडी, सांगलिया आदि गांवों के 125 युवाओं ने प्रशिक्षण लिया। चावण्डिया के गोपाल सिंह, लाल सिंह, विजय सिंह सहित सभी ग्रामवासियों ने व्यवस्था में सहयोग किया। **(शेष पृष्ठ 7 पर)**

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के इकोनोमिक फोरम का गठन

विगत फरवरी माह में श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन द्वारा हमारे समाज के व्यवसायियों की एक कार्यशाला आयोजित की गई। उसके बाद से ही लगातार यह मांग उसमें शामिल रहे व्यवसायियों की चल रही थी कि एक औपचारिक संगठन के रूप में इसका गठन किया जाना चाहिए जिसकी सदस्यता के निश्चित नियम हों, निरंतर चलने वाला एक कार्यक्रम हो, साथ ही वार्षिक शुल्क आदि औपचारिकताएं हों। इसी दृष्टिकोण से काम प्रारंभ हुआ। पराक्रम सिंह हरपालसर, आयुष सिंह रावत आदि ने इस बाबत संपर्क प्रारंभ किया एवं सदस्य बनाना प्रारंभ किया और अब तक बने सदस्यों की पहली औपचारिक बैठक 9 सितंबर को जयपुर स्थित मोडर्न स्कूल में रखी गई। बैठक

में समान गुण धर्म वाले अंतरराष्ट्रीय संगठन एंटरप्रेन्योरस ओगेर्नाईजेशन की कार्यप्रणाली उस संगठन से जुड़े श्री नीतिन माथुर द्वारा बताई गई। उन्होंने अपने व्यवसाय के आकार को कैसे बढ़ाया जा सकता है इसके बारे में भी विस्तार से बताया। उपस्थित सदस्यों ने इसके आधार पर नये संगठन की कार्यप्रणाली तय करने के लिए विचार विमर्श किया एवं पराक्रम सिंह, आयुष सिंह, चेतनसिंह, आजाद सिंह व चित्रांगदा बाईसा को विभिन्न जिम्मेदारी सौंपी। बैठक में पूज्य तनसिंह जी जन्म शताब्दी समारोह बाबत किस प्रकार सहयोगी बन सकते हैं इस पर भी विस्तार से चर्चा की। बैठक में माननीय महावीर सिंह जी सरवड़ी का सानिध्य प्राप्त हुआ।

हम दुगार्दास जी की भांति समाज चरित्र को धारण करें: संघप्रमुख श्री

(भारतीय पंचांग अनुसार मनाई राष्ट्रनायक दुगार्दास जी की जयंती)

दुगार्दास जी को मात्र उनकी जयंती के दिन स्मरण करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि वे ऐसे राष्ट्रनायक हैं जिनके द्वारा प्रस्तुत समाज चरित्र को आज हम सभी को अपने जीवन में उतारने की आवश्यकता है। उनकी भांति समाज के लिए अपने मान-अपमान, सुविधा-असुविधा, इच्छा-अनिच्छा आदि की परवाह न करने वाला चरित्र धारण करके ही हम बिखरे हुए समाज को एक कर सकते हैं। दुगार्दास जी के उसी आदर्श चरित्र और व्यक्तित्व को हमें अंगीकार करने का अभ्यास करना होगा। जिस प्रकार से उन्होंने क्षात्रधर्म का पालन करते हुए ईश्वरीय भाव के साथ न केवल सभी वर्गों व जातियों का सम्मान व सहयोग किया, अपितु अपने शत्रु औरगंजेब के वंशजों को भी अपनी शरण में सुरक्षित व ससम्मान रखकर जो आदर्श उदाहरण सामने रखा, वो संसार को मार्ग दिखाने वाला है। हमारे पूर्वजों ने इसी प्रकार से सदैव मानवता का पाठ पढ़ाया और जहाँ आवश्यकता हुई दुष्टों का संहार भी किया है। उपर्युक्त बात माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास ने कुचामन के चावण्डिया कालोली गांव में श्री क्षत्रिय युवक संघ के प्रशिक्षण शिविर के विदाई कार्यक्रम के साथ आयोजित दुगार्दास जयंती समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि वर्तमान दौर मे दुगार्दास जी का जीवन हमारे लिए और अधिक महत्वपूर्ण हो गया है क्योंकि उससे प्रेरणा लेकर हम इस संसार मे अपने पारिवारिक और सामाजिक दायित्व को निभाते हुए राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभा सकते हैं, साथ ही ईश्वर ने जिस उद्देश्य से मनुष्य रुप मे जन्म दिया है, उसे भी सार्थक कर सकते हैं। गांव में स्थित शहीद भंवर सिंह स्मारक पर आयोजित कार्यक्रम को संघ के केन्द्रीय कार्यकारी गजेंद्र सिंह आऊ ने भी संबोधित किया और कहा कि संघ से जुड़कर हम भी उसी क्षत्रियत्व को अपने भीतर उतार सकते हैं जो दुगार्दास जी में था। नागौर संभाग प्रमुख शिम्भु सिंह आसरवा ने पूज्य तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के बारे में बताया। कार्यक्रम में चावण्डिया, परेवड़ी, चितावा, दौलतपुरा, कोकपुरा, करकेड़ी, कुकणवाली, आसरवा, पलाड़ा आदि गांवों के समाजबंधु उपस्थित रहे।

श्रावण शुक्ला चतुर्दशी को राष्ट्रनायक दुगार्दास राठौड़ की जयंती के उपलक्ष्य में देशभर में विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित हुए जिनमें स्वयंसेवकों व समाजबंधुओं ने उपस्थित रहकर दुगार्दास जी के प्रति अपनी श्रद्धा व कृतज्ञता प्रकट की। गुजरात में गोहिलवाड़ सौराष्ट्र संभाग में अवाणियां गांव में भी दुगार्दास जी की जयंती समारोह पूर्वक मनाई गई। वरिष्ठ स्वयंसेवक माननीय अजीत सिंह धोलेरा के सान्निध्य में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय कार्यकारी महेंद्रसिंह पांची व संभाग प्रमुख प्रवीणसिंह धोलेरा सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। मंगलसिंह धोलेरा ने अवाणियां शाखा के स्वयंसेवको के सहयोग से व्यवस्था का जिम्मा संभाला। श्री क्षत्रिय सहयोग मंच बाली व श्री क्षत्रिय युवक संघ के संयुक्त तत्वावधान में 27 अगस्त को पाली जिले के बाली कस्बे में स्थित श्री उम्मेद राजपूत छात्रावास के प्रांगण में दुगार्दास जी की जयंती समारोहपूर्वक मनाई गई।

(शेष पृष्ठ 2 पर)

हम दुगार्दास जी की भांति समाज चरित्र को धारण करें: संघप्रमुख श्री

(पेज एक से लगातार)...

श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी रेवंत सिंह पाटोदा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज के समय में हमें दुगार्दास जी को सिर्फ याद करने की नहीं अपितु इनके मार्ग पर चलने की आवश्यकता है और श्री क्षत्रिय युवक संघ के संस्थापक पूज्य तनसिंह जी ने हमें जो मार्ग बताया है वह उसी तरफ बढ़ने का एक प्रयास है। उन्होंने सभी से 28 जनवरी 2024 को दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित होने वाले पूज्य तनसिंह जी जन्म शताब्दी समारोह में चलने का निवेदन किया। पूर्व ऊर्जा मंत्री और बाली विधायक पुष्पेंद्र सिंह राणावत ने श्री क्षत्रिय युवक संघ के हीरक जयंती कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि संघ द्वारा आयोजित वह कार्यक्रम अपने आप में अदभुत एवं अनुशासित कार्यक्रम था और हम सब मिलकर दिल्ली में आयोजित होने वाले तन सिंह जी के जन्म शताब्दी समारोह को भी उसी प्रकार भव्य बनाएंगे। कार्यक्रम के प्रारंभ में स्थानीय साहित्यकार और इतिहास प्रेमी रतनसिंह पुनाडिया ने राजस्थानी भाषा, राजस्थानी संस्कृति, मारवाड़ व मेवाड़ के इतिहास के संदर्भ में दुगार्दास जी के जीवन चरित्र को सामने रखा। वीरबाला छात्रावास खिमेल की छात्रा सोनू चौहान ने वीर दुगार्दास की जीवनी पर कविता प्रस्तुत की। बाली सीबीइओ परबत सिंह खिंदारा गांव ने दुगार्दास जी द्वारा मारवाड़ की रक्षार्थ किए गए संघर्ष के बारे में बताया। कार्यक्रम में श्री क्षत्रिय युवक संघ के पाली प्रांत प्रमुख मोहब्बत सिंह धींगाणा, खेत सिंह बोलागुड़ा, हीर सिंह लोडता, शैतान सिंह, महिपाल सिंह, सुरेंद्र सिंह बड़ागुडा,भाजपा मण्डल अध्यक्ष शक्ति सिंह श्रीसेला, चैन सिंह मालारी, अजयपाल सिंह गुड़ा पृथ्वीराज सहित अनेकों समाजबंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन दिग्विजय सिंह कोलीवाड़ा ने किया एवं श्याम सिंह मालारी ने सभी सहयोगियों का आभार प्रकट किया। जालौर में धानसा गांव स्थित जलन्धर नाथ महादेव मन्दिर के प्रांगण में भी जयंती मनाई गई। रेवंत सिंह पाटोदा ने दुगार्दास जी के बारे में कहा कि वे मारवाड़ के राजा तो नहीं थे किंतु मारवाड़ की जनता के प्रति उनके दायित्व बोध ने उन्हें जीवन पर्यंत मारवाड़ के लिए संघर्षरत रखा। ये उनका दायित्व बोध ही था कि युद्ध में उनके चार घोड़े मरने के बाद भी वे युद्ध से पीछे नहीं हटे, ये उनका दायित्व बोध ही था कि अजीत सिंह जी के उपेक्षापूर्ण व्यवहार के बाद राज्य के हित में वे स्वयं ही मारवाड़ छोड़ कर चले गए। दुगार्दासजी जैसा दायित्वबोध हमारे अंदर भी जागृत हो इसकी आज सर्वाधिक आवश्यकता है और श्री क्षत्रिय युवक संघ इसी दायित्व बोध को अपने में जाग्रत करने की बात करता है। रानीवाड़ा विधायक नारायण सिंह देवल ने कहा कि दुगार्दास का जीवन हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत है। जालोर विधायक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि जब भारत में इस्लाम की आंधी अपने चरम पर थी तब दुगार्दास मारवाड़ के लिए दीवार बन कर खड़े रहे। पूर्व जिला प्रमुख डॉ बन्ने सिंह गोहिल, पूर्व आईएएस गंगा सिंह परमार, एडीएम वार सिंह दहिया, रविन्द्र सिंह बालावत, दीप सिंह धनाणी, टीकम सिंह राणावत, पहाड़ सिह देथा, शम्भू सिंह सेरना, विक्रम सिंह धानसा, दीनू कंवर आदि ने भी अपने विचार रखे। नाहर सिंह जाखड़ी ने संघ का परिचय दिया। मंच संचालन जालौर संभाग प्रमुख अर्जुन सिंह देलदरी ने किया। उदयपुर में अशोक नगर स्थित अलख नयन मंदिर में भी जयंती कार्यक्रम आयोजित हुआ। प्रताप सिंह तलावदा ने अपने विचार रखते हुए कहा कि अपने संस्कारों को ही अपनाकर हम हमारे आदर्श, परम्परा, संस्कृति की रक्षा कर सकते हैं। डॉ. विवेक भटनागर व डॉ. जी एल मेनारिया ने अपनी बात रखी। संभाग प्रमुख भंवर सिंह बेमला सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे। बाड़मेर में स्टेशन रोड स्थित मल्लीनाथ राजपूत छात्रावास में भी जयंती मनाई गई। कमल सिंह चूली ने दुर्गा दास जी की महानता को नमन करते हुए कहा कि दुगार्दास जी स्वामी भक्ति, राष्ट्र प्रेम और कर्तव्य परायणता के आदर्श हैं। उनसे प्रेरणा लेते हुए हमें भी अपने कर्त्तव्य का पालन करना चाहिए। श्री क्षत्रिय युवक संघ के बाड़मेर संभाग प्रमुख महिपाल सिंह चूली व वरिष्ठ स्वयंसेवक भवानी सिंह मुंगेरिया सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे। प्रांत प्रमुख छगन सिंह लुणु ने कार्यक्रम का संचालन किया। सूरत में सारोली स्थित अभिमन्यु उद्यान में भी हर्षोल्लास से राष्ट्रनायक की जयंती मनाई गई। प्रांत प्रमुख खेत सिंह चांदेसरा ने बताया कि वीर दुगार्दास राठौड़ का व्यक्तित्व क्षत्रियत्त्व के सातों गुणों से परिपूर्ण था। उनसे प्रेरणा लेकर हमें भी क्षात्रधर्म का पालन करना चाहिए। कुलदीप सिंह बिखरनिया व भोपाल सिंह सामल ने दुगार्दास जी का जीवन परिचय देते हुए उनके जीवन के विभिन्न प्रसंग सुनाए। कार्यक्रम में शंभू सिंह भांडियावास व महेश दान मुंजासर ने भी अपने विचार व्यक्त किए। विक्रम सिंह आकोली ने रक्षाबंधन पर्व के महत्व से अवगत कराया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी बंधुओं ने रक्षाबंधन पर्व भी मनाया। कार्यक्रम का संचालन भवानी सिंह मांडपुरिया ने किया। श्री क्षत्रिय युवक संघ तथा श्री जय अंबे स्वयंसेवक संघ, काणेटी द्वारा संयुक्त रूप से मध्य गुजरात संभाग में अहमदाबाद ग्राम्य प्रांत में काणेटी गांव स्थित श्री मातरी माताजी के प्रांगण में दुगार्दास जी जयंती मनाई गई, साथ ही रक्षाबंधन मनाते हुए यज्ञोपवीत धारण किए गए। सभी ने दुगार्दास जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। संभाग प्रमुख अणदुभा काणेटी सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे। गोहिलवाड़ संभाग के मोरचन्द मंडल में वीर दुगार्दासजी जयंती एवं यज्ञोपवीत का कार्यक्रम श्री मोरचंद कन्या शाला के मैदान में आयोजित हुआ। धर्मेंद्रसिंह आंबली द्वारा वीर दुगार्दासजी के जीवन संघर्ष एवं सेवा भाव पर प्रकाश डाला गया। देवेंद्रसिंह मोरचंद ने संघ का परिचय दिया। राजेंद्रसिंह मोरचंद ने जन्म शताब्दी वर्ष की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन मयूरसिंह मोरचंद ने किया। मोरचंद, खडसलिया, थलसर व भक्तिनगर शाखा के स्वयंसेवक कार्यक्रम में उपस्थित रहे। मुंबई में मलाड (पूर्व) स्थित पारेख हॉल में राष्ट्रनायक दुगार्दास जी की जयंती के उपलक्ष में 3 सितंबर को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुंबई शहर में रहने वाले स्वयंसेवकों व समाजबंधुओं ने सपरिवार उपस्थित रहकर दुगार्दास जी के मातृभूमि के हित किए त्याग और बलिदान को स्मरण करते हुए नमन किया। महाराष्ट्र संभाग प्रमुख नीर सिंह सिंघाना ने सभी को जन्म शताब्दी समारोह का निमंत्रण दिया। प्रांत प्रमुख रणजीत सिंह आलासण ने दुगार्दास जी का जीवन परिचय दिया। वरिष्ठ स्वयंसेवक पाबूदान सिंह दौलतपुरा सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे। बादराणी (चौहटन), राणेजी की बस्ती कोटडा (बाड़मेर), देणोक (जोधपुर), सोनियासर (बीकानेर), मितासर (चुरू), धवला (जालौर) और साजियाली (बालोतरा) में आयोजित प्राथमिक प्रशिक्षण शिविरों में भी दुगार्दास जी की जयंती मनाई गई।

वोपारी आसन मठ की भूमि पर अतिक्रमण का किया विरोध

पाली जिले में मारवाड़ जंक्शन तहसील के वोपारी गांव स्थित आसन मठ की भूमि पर

अतिक्रमण के विरोध में राजपूत समाज द्वारा 29 अगस्त को एक सांकेतिक धरना दिया गया जिसमें स्थानीय विधायक खुशवीरसिंह जोजावर, मारवाड़ राजपूत सभा जोधपुर के अध्यक्ष हनुमानसिंह खांगटा, करणी सेना के महिपालसिंह मकराना, पाली डेयरी संघ के अध्यक्ष प्रतापसिंह बींठिया, राव जैताजी स्मारक संस्थान के अध्यक्ष भगवतसिंह बगड़ी, राव कूँपाजी जयन्ती समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह गुडा सूरसिंह, दहेज विरोधी क्षत्रिय संघ के जिलाध्यक्ष विशनसिंह झूम्पेलाव, गिरी रणस्थली के अध्यक्ष हनुमानसिंह भैंसाणा, सोजत मारवाड राजपूत संस्था के वरिष्ठ उपाध्यक्ष भँवरसिंह भैंसाणा, मारवाड राजपूत विकास संस्थान के अध्यक्ष कानसिंह रेवडिया, वोपारी आसन मठ समिति के अध्यक्ष सूरजपाल सिंह सिंचाणा, जब्बरसिंह वोपारी आदि अनेक गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। वोपारी, सिरियारी, चेलावास सहित कई गांवों के समाजबंधु भी धरने में शामिल हुए। श्री क्षत्रिय युवक संघ के प्रांत प्रमुख महोब्बत सिंह धींगाणा ने मंच संचालन किया।

राजश्री दयालदास खेतसिंहोत का शौर्य स्मृति समारोह सम्पन्न

पूज्य तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त 8 सितंबर को जैसलमेर में बडोड़ा गाँव

के पश्चिम में स्थित राजश्री दयालदास खेतसिंहोत की ऐतिहासिक छतरी पर उनका शौर्य दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। जैसलमेर के पूर्व महारावल चैतन्यराज सिंह, आसरी मठ के महंत तिलोकनाथ, महादेव पूरी, विक्रम सिंह नाचना आदि गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में आयोजित समारोह का प्रारंभ छतरी के पूजन के साथ हुआ। सुरेंद्र सिंह ने राजश्री का जीवन परिचय प्रस्तुत करते हुए बताया कि राजश्री दयालदास खेतसिंहोत की यह छतरी 1655 में उनके पुत्र महारावल सबल सिंह द्वारा स्थापित की गई थी। उनके वशंजों के 50 से अधिक ठिकाने रहे है। छतरी के जीर्णोद्धार के संबंध में हुई प्रगति की जानकारी तनेराव सिंह द्वारा दी गई। समारोह में छतरी के इतिहास विवरण पट्ट का अनावरण व राजश्री बिहारीदास जी भाटी की पेंटिंग का विमोचन भी किया गया। श्री क्षत्रिय युवक संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक गणपत सिंह अवाय ने श्री क्षत्रिय युवक संघ के उद्देश्य व कार्यप्रणाली के बारे में बताते हुए कहा कि अपने पूर्वजों की महानता को स्मरण करना तभी सार्थक है जब हम उनकी ही भांति जीवन भी जिएं। उसके लिए हमें अपने स्वधर्म का पालन करना होगा। उसी स्वधर्म की याद दिलाने और उसके पालन की क्षमता जुटाने के लिए पूज्य तनसिंह जी ने श्री क्षत्रिय युवक संघ की स्थापना की। उन्होंने सभी को पूज्य श्री के जन्म शताब्दी समारोह में दिल्ली चलने का न्यौता दिया। ठाकुर विक्रम सिंह नाचना ने छतरी की सुरक्षा व सम्मान के लिए रतनसिंह बडोडागांव के प्रयासों की सराहना करते हुए श्री क्षत्रिय युवक संघ का आभार व्यक्त किया। महारावल चैतन्य राज सिंह ने सभी का आभार जताते हुए पूर्वजों की स्मृति और उनकी विरासत को संभालने के लिए एकजुट हो प्रयास करने की बात कही। समारोह में बडोड़ा गाँव, डांगरी, राजगढ़, ओला, पिथला, लखासर, संग्रामसर, ओसियाँ, बीकमकोर, लोहारकी, पली, अवाय, मूलाना, जेरात, जावन्ध, थैयात आदि गांवों के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए। समारोह में आगन्तुकों हेतु प्रसादी व जलपान की व्यवस्था भी की गई। कार्यक्रम का संचालन रतनसिंह व नरपतसिंह द्वारा किया गया।

सूरत और बेंगलुरु शाखा में मनाया अधिकतम संख्या दिवस

सूरत प्रांत के गोड़ादरा मंडल की वीर दुगार्दास शाखा के 9 वर्ष पूर्ण कर दसवें वर्ष में प्रवेश के अवसर पर अधिकतम संख्या दिवस 7 सितंबर को मनाया गया जिसमें सूरत

शहर में रहने वाले सैकड़ों समाजबंधुओं ने भाग लिया। प्रान्त प्रमुख खेत सिंह चांदेसरा ने सूरत प्रांत में संघ के विस्तार के बारे में जानकारी प्रदान की। दिलीप सिंह गडा ने पूज्य श्री तनसिंह जन्म शताब्दी वर्ष की जानकारी देते हुए दिल्ली में आयोजित होने वाले मुख्य समारोह में आने का निमंत्रण दिया। बेंगलुरु की प्रताप शाखा द्वारा भी 3 सितंबर को अधिकतम संख्या दिवस मनाया गया। शाखा स्थल चामुंडा माता मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में विजयवाड़ा में अक्टूबर माह में आयोजित होने वाले शिविर एवं पूज्य तनसिंह जी जन्म शताब्दी समारोह के संबंध में चर्चा हुई।

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन का दो दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन का दो दिवसीय ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक स्थल भ्रमण कार्यक्रम 2-3 सितंबर को संपन्न हुआ जिसमें पाली के रणकपुर जैन मंदिर, हल्दी घाटी युद्धस्थली, कुंभलगढ़ दुर्ग एवं जवाई बांध आदि स्थलों का भ्रमण किया गया। फाउंडेशन के सभी सहयोगियों के बीच परस्पर सहयोग व समन्वय बढ़ाने एवं अपने गौरवमयी ऐतिहासिक स्थलों के दर्शन कर अपने पूर्वजों से प्रेरणा लेने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में पूरे राजस्थान से सक्रिय सहयोगी उपस्थित रहे। भ्रमण कार्यक्रम का प्रारंभ 2 सितंबर को बाली स्थित श्री उम्मेद राजपूत छात्रावास से किया गया जहां राजस्थान के विभिन्न जिलों से कार्यक्रम की पूर्व संध्या पर पहुंचे सहयोगियों के रात्रि विश्राम की व्यवस्था की गई थी। तत्पश्चात प्रातः 10:00 बजे विश्व प्रसिद्ध रणकपुर जैन मंदिर का अवलोकन किया जो कि अपनी सुन्दरता और अनूठी वास्तुकला के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है। तत्पश्चात सभी बस द्वारा गोगुंदा स्थित महाराणा प्रताप की राजतिलक स्थली पहुंचे जहां महाराणा उदय सिंह के देहांत के बाद मेवाड़ के सभी सामंतो ने मिलकर महाराणा प्रताप का राजतिलक किया था। यह हमारे यहां राजतंत्र में लोकतांत्रिक मूल्यों के समावेश होने का आदर्श उदाहरण है जिसमें छोटे-छोटे क्षेत्रों के प्रतिनिधियों (जिन्हें सामंत कहा जाता था) ने मिलकर महाराणा उदय सिंह की प्रिय पत्नी के पुत्र को राजा न मानकर प्रताप का राजतिलक कर अपना राजा बनाया। दोपहर बाद सभी हल्दी घाटी स्थित रक्त तलाई पहुंचे जहां प्रताप को चलते युद्ध से बाहर निकाल स्वयं राजमुकुट धारण कर अपना बलिदान देने वाले झाला मान सिंह तथा ग्वालियर के रामशाह तंवर, जिनकी तीनों पीढ़ी हल्दीघाटी युद्ध में वीरगति को प्राप्त हुई, के स्मारकों को नमन कर उनके त्याग के प्रति कृतज्ञता प्रकट की। हकीम खां सूर की मजार भी वहीं पास में स्थित है जो प्रताप की सेना का नेतृत्व कर रहे थे, उनको भी नमन किया गया। रक्त तलाई हल्दी घाटी का वह क्षेत्र है जहां अकबर की सेना और महाराणा प्रताप की सेना के बीच सीधा युद्ध हुआ था। उस जगह युद्ध के दौरान लाशों का ढेर बिछ गया था और कहा जाता है कि इस भीषण युद्ध के बाद वहां हुई बारिश से क्षत-विक्षत शवों से रक्त पानी के साथ मिलकर वहीं पास मौजूद एक छोटे तालाब में इकट्ठा हो गया था जो तब बिलकुल रक्त से भरा तलाब ही दिखाई पड़ता था। इसी कारण से बाद में इस जगह को रक्त तलाई के नाम से जाना गया। हल्दी घाटी स्थित चेतक की समाधि पर पूज्य तनसिंह जी द्वारा 1959 के ओटीसी में लिखे सहगीत 'बे दर्द न बन रे' का गायन तथा पुस्तक होनहार के खेल के प्रकरण 'चेतक की समाधि से' का पठन किया गया, साथ ही वहां स्थित महाराणा प्रताप म्यूजियम का भी अवलोकन किया। शाम को झीलवाड़ा गांव में समाजबंधुओं द्वारा आयोजित रात्रिभोज के बाद गढ़बोर में रात्रि विश्राम किया। भ्रमण कार्यक्रम के दूसरे दिन 3 सितंबर को सर्वप्रथम चारभुजा जी दर्शन कर राणा कुम्भा द्वारा निर्मित कुंभलगढ़ दुर्ग पहुंचे, जहां दुर्ग में स्थित शिव मंदिर, भैरव पोल, प्रताप जन्म स्थली, कुम्भा महल, फतह महल, मां चामुण्डा मंदिर आदि का अवलोकन किया। दुर्ग स्थित शिवमन्दिर प्रांगण में स्थानीय सहयोगियों ने दुर्ग का इतिहास विस्तार से बताया। प्रताप के जन्म कक्ष में सभी ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की एवं दुर्ग में स्थित माताजी के मंदिर में सभी ने बैठकर संगठन की आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की। दोपहर भोजन के बाद सभी पाली जिले के सैणा गांव पहुंचे जहां पश्चिमी राजस्थान के सबसे बड़े जल स्त्रोत जवाई बांध का अवलोकन किया जो कि वर्तमान में अपनी पूरी भराव क्षमता के साथ हिलोरें मार रहा है। इसके बाद सभी ने जवाई वन्य जीव अभ्यारण के अंतर्गत जवाई लेपर्ड सफारी का भी आनंद लिया। शाम को बाली में भोजन के बाद सभी अपने अपने गंतव्य के लिए रवाना हुए। पूरे भ्रमण कार्यक्रम के दौरान श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी रेवंत सिंह पाटोदा सहित श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के महेंद्र सिंह तारातरा, डॉ. जालम सिंह अग्रोहा, जय सिंह सागू, अजयपाल सिंह गुड़ा पृथ्वीराज, भानुप्रताप सिंह झीलवाड़ा, नरेशपाल सिंह तेजमालता, नवीन सिंह भवाद, कमल सिंह भैंसड़ा, देशराज सिंह लिसाड़िया, विक्रम सिंह झालरा, जोगेंद्र सिंह छोटा खेड़ा, दिग्विजय सिंह कोलीवाड़ा सहित 52 सहयोगी साथ रहे। भ्रमण कार्यक्रम की व्यवस्था का जिम्मा पाली, उदयपुर एवं राजसमंद की फाउंडेशन की टीम ने संभाला।

जोधपुर में हुआ राजपूत मेडिको मीट 'शौर्यम' का आयोजन

जोधपुर में काम करने वाले व पढ़ने वाले राजपूत चिकित्सकों का स्नेहमिलन

कार्यक्रम 27 अगस्त को जोधपुर के मेरुगढ़ रिसोर्ट में संपन्न हुआ। 'शौर्यम' नाम से आयोजित इस मिलन का आयोजन डॉ. संपूर्णानंद आयुर्विज्ञान संस्थान में पढ़ रहे 2020 व 2021 सत्र के छात्रों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में चिकित्सा विभाग के विभिन्न संस्थानों में विभिन्न पदों पर कार्य कर रहे लगभग 100 चिकित्सक उपस्थित रहे। आपसी परिचय के पश्चात वरिष्ठ चिकित्सकों द्वारा कार्य के दौरान अनुभव की गई प्रतिकूलताओं व अनुकूलताओं के बारे में बताया गया, साथ ही वर्तमान में समाज के चिकित्सकों को किन समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है और उसमें आपसी संपर्क और संवाद से कैसे सहायता मिल सकती है, इस पर भी चर्चा हुई। समाज के लोगों को बेहतर चिकित्सीय परामर्श के साथ ही बेहतर चिकित्सा सुविधा कैसे उपलब्ध करायी जा सकती है, इस पर भी विचार-विमर्श किया गया। सभी ने मिलकर समाज हित में कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में चिकित्सकों के विवरण वाली एक बुकलेट भी वितरित की गई जिससे आपसी संपर्क में सुविधा हो।

प्रवीण सिंह सुरावा

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक व हम सबके सहयोगी

प्रवीण सिंह पुत्र **श्री कालु सिंह जी सुरावा** का

अध्यापक लेवल प्रथम में अंतिम रूप से चयन होने की

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

शुभेच्छु:

नाहर सिंह जाखडी	महेंद्र सिंह कारोला	गणपत सिंह भवरानी	सरूप सिंह केरिया	नेहपाल सिंह दुधवा	पृथ्वीराज सिंह पांचला	हीर सिंह किलवा	गणपत सिंह पुर	हनुवंत सिंह सुरावा	सुरेन्द्र सिंह नांदिया प्रभावती
रेवत सिंह जाखड़ी	ईश्वर सिंह चौरा	देवी सिंह तैतरोल	विरम सिंह सुरावा	मुकन सिंह चेकला	जेठू सिंह सिवाड़ा	डूंगर सिंह पुनासा	गजेंद्र सिंह जाविया	मदन सिंह थूंबा	फूल सिंह जाखड़ी
सोभाग्य सिंह पांचोटा	महोब्बत सिंह धींगाणा	शक्ति सिंह आशापुरा	प्रेम सिंह अचलपुर	ईश्वर सिंह सांगाणा	ईश्वर सिंह देसू	मोती सिंह सेवाड़ा	देवराज सिंह मांडाणी	अर्जुन सिंह देलदरी	अमर सिंह चाँदणा

एवं समस्त स्वयंसेवक संभाग जालोर

संपादकीय

प्रचार से नहीं प्रेरणा और अभ्यास से बनते हैं संस्कार

हाल ही में राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले के धरियावद क्षेत्र के एक गांव में एक गर्भवती महिला को उसी के पति द्वारा निर्वस्त्र कर गांव में घुमाने की घटना हुई जो मीडिया में राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित हुई और जिसने पूरे देश को उद्वेलित भी किया। राजनेताओं ने सदैव की भांति इस मुद्दे पर भी अपने-अपने एजेंडे के अनुसार प्रतिक्रियाएं दी। सत्तापक्ष ने अपराधियों को कड़ी सजा दिलाने और पीड़िता को मुआवजा व नौकरी देने के वादे किए तो विपक्षी दलों व राजनेताओं ने महिलाओं के प्रति अपराधों को रोकने में सरकार की नाकामी को मुद्दा बनाया। जैसा मुद्दाजीवी राजनेताओं और मीडिया का प्रचलन है, कुछ दिन ऐसी घटनाओं पर शोर मचाने के बाद उन्हें भुलाकर नए मुद्दों को खोज लिया जाता है, ऐसा ही इस घटना के साथ भी हुआ। बार-बार घटने वाली ऐसी घटनाओं के कारणों और इनके विभिन्न पक्षों को जानकर भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कोई चिंतन नहीं किया जाता, केवल नई घटना की प्रतीक्षा की जाती है जिससे फिर एक नया मुद्दा मिले और अपने एजेंडे के अनुसार बयानबाजी करके, शोर शराबा करके अपने राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति की जा सके। लेकिन सामाजिक दृष्टिकोण से ऐसी घटनाएं गहन चिंतन, चर्चा और विमर्श की मांग करती है ताकि इनके कारणों को ढूंढकर, उनका निवारण कर इनकी पुनरावृत्ति को रोकने के उपाय किए जा सकें।

धरियावद वाली घटना के भी अनेक पक्ष हैं लेकिन सामाजिक चिंतन की दृष्टि से एक पक्ष जो अधिक महत्त्वपूर्ण है, उस पर चर्चा आवश्यक है। इस घटनाक्रम पर मीडिया में छपी कुछ खबरों में यह बात सामने आई कि जिस घर में यह घटना हुई, उसकी दीवारों पर बहु-बेटी का सम्मान करने के नारे लिखे हुए थे और मीडिया रिपोर्ट्स में इसे विडंबना बताया गया कि जिस घर पर ऐसे संदेश लिखे हुए थे उसी घर के सदस्यों द्वारा ऐसा कुकृत्य किया गया। लेकिन वास्तव में विडंबना यह नहीं कि दीवारों पर लिखे नारों के बावजूद यह घटना हुई, बल्कि वास्तविक विडंबना तो यह है कि इस देश का मीडिया और बुद्धिजीवी वर्ग यह मानता है कि दीवारों पर नारे लिखने से व्यक्तियों के चरित्र में बदलाव लाया जा सकता है। विडंबना तो यह है कि घरों की दीवारों पर बहु-बेटियों के सम्मान के संदेश लिखने वाली सरकारें ऐसा करके समाज में संस्कारों के निर्माण का विश्वास करती हैं। यह विडंबना ही है कि अपने राजनीतिक अस्तित्व के लिए प्रचार पर ही निर्भर रहने वाला राजनैतिक वर्ग यह समझने में असमर्थ है कि प्रचार से वोट तो जुटाए जा सकते हैं लेकिन संस्कार कभी भी प्रचार से नहीं बनते। ऐसा अदूरदर्शी और छिछला चिंतन जिनका हो, उनसे यह अपेक्षा भी कैसे की जाए कि वे इस बात को समझ सकें कि संस्कारों के निर्माण के लिए प्रचार और नारों की नहीं, बल्कि अनुकरणीय आदर्शों से मिलने वाली जीवंत प्रेरणा की आवश्यकता होती है। पद्मिनी के जौहर, हाड़ी रानी के बलिदान और पन्नाधाय व हीरा दे जैसी वीरांगनाओं के साहस की गाथाएं ही ऐसी प्रेरणा पैदा कर सकती हैं। प्रताप, दुर्गादास और शेखाजी की तरह नारी सम्मान को सर्वोच्च महत्त्व देने के उदाहरण ही ऐसी प्रेरणा जगा सकते हैं। ऐसी प्रेरणा के साथ ही उसके अनुरूप कर्मों के अभ्यास के लिए अनुकूल वातावरण की भी आवश्यकता होती है क्योंकि अभ्यास ही संस्कारों को स्थाई करता है, आचरण का अंग बनाता है। किंतु आज न तो वैसी प्रेरणा देने वाले आदर्शों को समाज के सामने रखा जा रहा है और न ही ऐसा वातावरण समाज में निर्मित करने का प्रयास किया जा रहा है जिसमें संयम, शिष्टता और सदाचार का अभ्यास युवा पीढ़ी को हो सके।

देश के वर्तमान नीति निर्माता वर्ग के लिए यह समझना आवश्यक है कि उक्त प्रेरणा के अभाव में पारिवारिक और सामाजिक मूल्यों में जो गिरावट आ रही है और इस गिरावट से संस्कारों और चरित्र का जो ह्रास हो रहा है, वही ऐसी घटनाओं का मूल कारण है। इस ह्रास को प्रचार से नहीं रोका जा सकता, इसके लिए क्रियात्मक उपाय करने पड़ेंगे। लेकिन जिन व्यक्तियों और संस्थाओं पर इन उपायों को ढूंढने और लागू करने का दायित्व है, उनके पास ऐसा करने के लिए पर्याप्त शक्ति और संसाधन तो हैं पर उनका इस ओर चिंतन ही नहीं दिखाई पड़ता। संस्कार और चरित्र निर्माण वास्तव में शिक्षण का क्षेत्र है लेकिन क्या हमारे देश और राज्यों की सरकारों और उनके शिक्षा विभागों की प्राथमिकता में कहीं यह दिखाई देता है? क्या हमारी शिक्षा नीति कहीं से भी हमारे पारिवारिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों का प्रतिनिधित्व करती है और क्या हमारे शिक्षण संस्थानों में इन मूल्यों को आचरण का अंग बनाने के लिए कोई क्रियात्मक पद्धति अपनाई जाती है? किसी देश में शिक्षण व्यवस्था और शिक्षा नीति का क्या महत्व होता है इस बात को हम इस उदाहरण से समझ सकते हैं कि एक बार सांसद रहते हुए पूज्य श्री तनसिंह जी से किसी अन्य राजनेता ने पूछा कि यदि उनको राष्ट्रीय सरकार में मंत्री बनना हो तो वे कौनसा मंत्रालय चुनेंगे, तो तनसिंह जी ने उत्तर दिया था कि यदि उन्हें चुनाव करना हो तो वे प्रथम वरीयता शिक्षा मंत्रालय को देंगे। इस दृष्टांत से हम समझ सकते हैं कि उनकी दृष्टि में देश की शिक्षा व्यवस्था का इतना महत्त्व था कि उन्होंने अन्य सभी दायित्वों से अधिक इस दायित्व को महत्त्वपूर्ण माना। लेकिन हमारे वर्तमान राजनेता इसे महत्त्वपूर्ण दायित्व तो क्या बल्कि दायित्व भी नहीं मानते, वे ऐसे पदों को अपने स्वार्थ, लोभ और महत्त्वाकांक्षाओं की पूर्ति का एक अवसर मात्र मानते हैं। इसलिए यह आश्चर्य की बात नहीं कि आज संस्कार और चरित्र निर्माण के प्रयास केवल प्रचार और उपदेश तक सीमित होकर रह गए हैं।

पूज्य श्री तनसिंह जी ने व्यवस्था की इस कमी को देश की स्वतंत्रता के पूर्व ही पहचान लिया था और इसीलिए उन्होंने श्री क्षत्रिय युवक संघ की स्थापना एक ऐसी संस्था के रूप में की जिसमें संस्कार और चरित्र निर्माण के लिए प्रचार का सहारा न लेकर सामूहिक क्रियाशीलता और अभ्यास का प्रयोग किया जाता है। यहां दीवारों पर नारे लिखकर नहीं बल्कि मैदानों में खेल खिलाकर उच्च चारित्रिक गुणों का जीवंत अभ्यास कराया जाता है। मात्र उपदेश से नहीं बल्कि अपने स्वयं के आचरण में ढालकर संस्कार भावी पीढ़ी को दिए जाते हैं। सद् संस्कारों के निर्माण के लिए केवल ऐसी व्यावहारिक शिक्षण पद्धति ही सफल हो सकती है। इसलिए आवश्यक है कि हम समाज में संस्कार और चरित्र निर्माण के कार्य के महत्त्व को समझें, इसे सर्वोच्च प्राथमिकता देना प्रारंभ करें और इसके लिए प्रचार का नहीं बल्कि प्रेरणा का सृजन करें, अनुकूल वातावरण का निर्माण करें। हमारे पूर्वजों के जीवन और आचरण में इस प्रेरणा का भंडार है और पूज्य श्री तनसिंह जी द्वारा प्रतिपादित संघ की सामुहिक संस्कारमयी कर्मप्रणाली उस प्रेरणा को कर्म में बदलने के लिए उपयुक्त वातावरण के निर्माण का माध्यम है।

पूर्व मंत्री नरेंद्र सिंह भाटी की पुण्यतिथि पर रक्तदान

राजस्थान सरकार में पूर्व मंत्री स्वर्गीय नरेंद्र सिंह भाटी की तेरहवीं पुण्यतिथि पर उनकी स्मृति में रक्तदान शिविर का आयोजन कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। स्वर्गीय भाटी के पुत्र मृगेंद्र सिंह द्वारा 8 सितंबर को आयोजित इस शिविर में 1085 यूनिट रक्त एकत्र किया गया।

दीया चौहान को राज्य स्तरीय सम्मान

डूंगरपुर जिले के आसपुर क्षेत्र के करोड़िया गांव के निवासी दीया चौहान पुत्री पुष्पराज सिंह चौहान को हिंदी दिवस पर राज्य स्तरीय सम्मान हेतु चुना गया है। उन्हें दसवीं बोर्ड परीक्षा में हिंदी विषय में 100 में से 100 अंक प्राप्त करने पर राजस्थान सरकार के भाषा एवं पुस्तकालय विभाग द्वारा इस सम्मान हेतु चुना गया है। दीया चौहान ने श्री क्षत्रिय युवक संघ के तीन प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर और एक उच्च प्रशिक्षण शिविर में भाग लिया है।

अंकिता सिंह और अपर्णा तोमर का उत्तरप्रदेश न्यायिक सेवा परीक्षा में चयन

उत्तरप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा सिविल जज (जूनियर डिवीजन) -2022 में साहिबाबाद क्षेत्र की दो राजपूत बालिकाओं ने सफलता प्राप्त की है। अंकिता सिंह ने इस परीक्षा में 49वां एवं अपर्णा तोमर ने 109वां स्थान प्राप्त किया है। दोनों प्रतिभाओं ने यह सफलता प्राप्त करके परिजनों एवं क्षेत्रवासियों को गौरवान्वित किया है।

शाखा स्तर पर मनाया रक्षाबंधन का पर्व

30 अगस्त को रक्षाबंधन का पर्व स्वयंसेवकों द्वारा विभिन्न स्थानों पर शाखा स्तर पर मनाया गया। बाड़मेर में सेड़वा में भूपाल शाखा मैदान पर स्वयंसेवकों ने एक दूसरे को रक्षा सूत्र बांधकर रक्षाबंधन का पर्व मनाया गया। शाखा में 'संघ में भ्रातृत्व प्रेम' विषय पर चर्चा भी की गई। बालोतरा संभाग में टापरा स्थित नागणेशी माता मंदिर में लगने वाली शाखा में भी रक्षाबंधन मनाया गया। मुंबई की तनेराज शाखा व नारायण शाखा भायंदर में भी कार्यक्रम रखा गया। हैदराबाद में भी कार्यक्रम आयोजित हुआ।

श्री राजपूत छात्रावास बौंली का हुआ शिलान्यास

श्री राजपूत सभा बौंली सवाई माधोपुर के तत्वावधान में श्री राजपूत छात्रावास की नींव लगा कर 10 सितंबर को शिलान्यास किया गया। श्री राजपूत सभा जयपुर के अध्यक्ष राम सिंह चंदलाई ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में हमारे बच्चों को आगे लाना चाहिए। इसके लिए ऐसे छात्रावासों का निर्माण महत्त्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी के लिए जयपुर सभा भवन छात्रावास व एसएमएस इंस्टीट्यूट में विशेष सुविधा समाज के बच्चों के लिए की गई है। पद्मनी बाईसा द्वारा नवनिर्मित छात्रावास में श्री क्षत्रिय युवक संघ का प्रशिक्षण शिविर लगाने का आग्रह किया। राम सिंह अकदडा ने श्री क्षत्रिय युवक संघ का परिचय देते हुए बताया कि हमारी सामाजिक व्यवस्था, संस्कृति एवं संस्कारों के अनुरूप छात्रावास का संचालन किया जाना चाहिए। उन्होंने बाड़मेर के मल्लीनाथ छात्रावास का उदाहरण दिया जिसका संचालन श्री क्षत्रिय युवक संघ की विचार धारा के अनुरूप किया जाता है। शिलान्यास के दौरान क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों के साथ राजपूत सभा बौंली के पदाधिकारी उपस्थित रहे। शिलान्यास के उपरान्त छात्रावास भवन का नक्शा भी सार्वजनिक किया गया। श्री क्षत्रिय युवक संघ के दौसा प्रांत प्रमुख नानू सिंह रूखासर भी सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

राजेश भंडारी बने वायुसेना के उप प्रमुख

उत्तराखंड के टिहरी जिले के रैका पट्टी स्थित प्रतापनगर ब्लॉक की ग्राम पंचायत पडिया के मूल निवासी राजेश भंडारी वायुसेना में उप प्रमुख नियुक्त हुए हैं। उनकी नियुक्ति एयरफोर्स मुख्यालय नई दिल्ली में असिस्टेंट चीफ ऑफ एयर स्टाफ के पद पर हुई है। वाइस मार्शल राजेश भंडारी 15 दिसंबर 1990 को एयरफोर्स में कमीशन्ड हुए थे। वे फरवरी 2022 में एयर कमोडोर पद पर पदोन्नत हुए थे। इनकी स्कूली शिक्षा देहरादून में हुई है। उल्लेखनीय है कि भंडारी उत्तराखंड में राजपूतों की एक शाखा है।

डेल्हाजी शौर्य स्मृति दिवस के लिए किया संपर्क

आगामी 24 सितंबर को जैसलमेर के झाबरा में होने जा रहे डेल्हा जी शौर्य स्मृति समारोह के प्रचार-प्रसार के लिए अलग-अलग टोलियाँ बनाकर 10 सितंबर को विभिन्न गांवों में संपर्क किया गया। अलग अलग दलों में स्वयंसेवकों द्वारा सांवला, सगरा, भैरवा, जावध, बेलदारो की ढाणी, सोढाकोर, डेलासर, धायसर, करमा आदि गांवों में ग्रामीणों से संपर्क कर समारोह में सपरिवार आने के लिए आमंत्रित किया गया। चांधन प्रान्त प्रमुख उम्मेदसिंह बड़ोडा गाँव, देवीसिंह, रेवन्त सिंह, फकीरसिंह, आईवीरसिंह सांवला, घमसिंह, प्रेमसिंह सगरा, नाथूसिंह, डॉ मनोहरसिंह भैरवा, प्रताप सिंह जावंध, अमरसिंह जेठा, भैरूसिंह, कंवरराज सिंह चांधन सहित अनेकों सहयोगी इस दौरान उपस्थित रहे।

धानेरा (पालनपुर) में स्नेहमिलन का आयोजन

पालनपुर प्रान्त में धानेरा स्थित जागीरदार दरबार हॉस्टल में पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त एक स्नेहमिलन 7 सितंबर को श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर आयोजित हुआ। प्रांत प्रमुख अजीत सिंह कुणघेर ने जन्माष्टमी पर्व का महत्त्व बताते हुए श्री कृष्ण के संदेश को समझकर स्वधर्म पालन करने की बात कही। पदमसिंह रामसर ने सभी से अपने परिवार के बालक-बालिकाओं को संघ की शाखा व शिविरों में भेजने की बात कही। शैतान सिंह चारडा, हीर सिंह जाडी, महेन्द्रपाल सिंह जाडी, नेपाल सिंह गोला व अन्य सहयोगी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। अनापुर एवं गंगेश्वर महादेव पांसवाल में नवम्बर और दिसंबर 2023 में आयोजित होने वाले शिविरों की तैयारियों पर भी चर्चा की गई।

आशु सिंह लाछड़ी.को मिला वीर दुर्गादास राठौड़ सम्मान - 2023

मरुधरा के अपूर्व गौरव तथा भारतीय इतिहास के शिरोमणी वीर राष्ट्रनायक दुर्गादास राठौड़ की जयंती के अवसर पर वीर दुर्गादास राठौड़ स्मृति समिति जोधपुर द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों का सम्मान किया जाता है। उसी क्रम में इस वर्ष 29 अगस्त को दुर्गादास राठौड़ की 385वीं जयंती के अवसर पर महिला पीजी महाविद्यालय, सूरसागर, जोधपुर के श्री जोधावत सभागार में आयोजित मुख्य समारोह में सीमा सड़क संगठन में उप निदेशक आशु सिंह लाछड़ी को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट व उच्च स्तरीय योगदान हेतु वीर दुर्गादास राठौड़ सम्मान 2023 से सम्मानित किया गया। जोधपुर के पूर्व महाराजा हनुवंतसिंह जी के जन्म शताब्दी वर्ष के तहत आयोजित समारोह के दौरान जोधपुर के पूर्व राजपरिवार की सदस्या माननीया हेमलता राजे द्वारा उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया।

गुजरात में पूज्य श्री तनसिंहजी शताब्दी वर्ष के निमित्त संदेश यात्रा

पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष का संदेश सभी तक पहुंचाने के लिए गुजरात में 'गाँव-गाँव नगर-नगर शताब्दी संदेश यात्रा' का आयोजन किया जा रहा है। इस यात्रा का प्रारंभ 28 अगस्त को खदरपर स्थित वीर मुखड़ोजी गोहिल आश्रम से किया गया। इस अवसर पर संत रमजुभा बापू, गोहिलवाड राजपूत समाज के प्रमुख वासुदेवसिंह गोहिल, जिला पंचायत के प्रमुख भरतसिंह गोहिल और वनराज सिंह गोहिल सहित अनेकों समाजबंधु उपस्थित रहे। रमजुभा बापू ने कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ की शिक्षण प्रणाली से आदर्श क्षत्रिय बनाया जाता है और ऐसे आदर्श क्षत्रियों की आज देश और समाज को आवश्यकता है। इसके पश्चात यात्रा खडसलिया गाँव पहुंची जहां सभी को जन्म शताब्दी समारोह हेतु दिल्ली पहुंचने का निमंत्रण दिया गया। राजेन्द्रसिंह मोरचंद, भगवतसिंह खडसलिया, अर्जुनसिंह मोरचंद, हरदेवसिंह मोरचंद, दसरथसिंह थलसर, अजीतसिंह थलसर और मोरचंद, थलसर, गुंदी और खडसलिया शाखा के स्वयंसेवक यात्रा में शामिल रहे। 8 सितंबर को संदेश यात्रा कर्मचारीनगर (फुलसर) पहुंची जहां वरिष्ठ स्वयंसेवक धर्मेंद्र सिंह आंबली, घनश्याम सिंह बावडी, वनराज सिंह चूडी, सुरुभा नारी, किशोर सिंह नारी नारी शाखा के स्वयंसेवकों सहित उपस्थित रहे। महेंद्र सिंह चोक का व्यवस्था में सहयोग रहा। यहां संघ की शाखा प्रारंभ करने पर भी चर्चा हुई। यात्रा का आयोजन छनुभा पछेगांव द्वारा किया जा रहा है।

शिविर सूचना

क्र.सं.	शिविर	समय	स्थान मार्ग आदि
01.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	22.09.2023 से 25.09.2023 तक	**राजपूत छात्रावास,** तारानगर, चुरू। **सम्पर्क सूत्र:** 9672781699, 9509263585, 9660363445
02.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	22.09.2023 से 25.09.2023 तक	**राजपूत छात्रावास,** प्रतापगढ़।
03.	प्रा.प्र.शि. (बालिका)	23.09.2023 से 26.09.2023 तक	**आलोक आश्रम,** बाड़मेर
04.	प्रा.प्र.शि. (बालिका)	23.09.2023 से 26.09.2023 तक	**जाखण,** जिला-जोधपुर।
05.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	23.09.2023 से 26.09.2023 तक	**रणसीगांव,** जिला-जोधपुर।
06.	प्रा.प्र.शि. (बालिका)	23.09.2023 से 26.09.2023 तक	**जामडोली,** डिसेंट पब्लिक स्कूल, चाणक्यपुरी तिलक हॉस्पीटल के पास। आगरा रोड, जयपुर
07.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	23.09.2023 से 26.09.2023 तक	**भालीखाळ,** जिला-बाड़मेर।
08.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	23.09.2023 से 26.09.2023 तक	**करीरी,** जिला-जयपुर।
09.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	23.09.2023 से 26.09.2023 तक	**तामड़िया,** जिला-जयपुर।
10.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	27.09.2023 से 30.09.2023 तक	**डेरिया,** जिला-जोधपुर।
11.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	28.09.2023 से 01.10.2023 तक	**रूपनगढ़,** जिला-अजमेर।
12.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	28.09.2023 से 01.10.2023 तक	**शिवमंदिर,** नागदा बारां।
13.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	28.09.2023 से 01.10.2023 तक	**झाड़ोल,** राजपूत सभा भवन झाड़ोल, भीलवाड़ा। सम्पर्क सूत्र: 9079384780, 9351335569
14.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	28.09.2023 से 01.10.2023 तक	**रावतभाटा,** चित्तौड़गढ़। सम्पर्क सूत्र: 9550322545, 8527222532
15.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	29.09.2023 से 02.10.2023 तक	**सिमाड़ा,** बालाजी मंदिर, सिवाणा

दीपसिंह बैण्यकाबास, शिविर कार्यालय प्रमुख

झिनझिनयाली में समारोह पूर्वक मनाई संत मूलचन्द जी की जयंती

जैसलमेर जिले के झिनझिनयाली गांव में कृष्ण जन्माष्टमी पर प्रजापालक संत मूलचन्द जी की जयंती हर्षोल्लास से मनाई गई। रात्रि जागरण के पश्चात 7 सितंबर को कृष्ण मंदिर व मूलचन्द प्रोल में ग्रामीणों द्वारा पूजा-अर्चना की गई। इस अवसर पर कर्नल मानवेन्द्रसिंह जसोल, विक्रमसिंह नाचना, दुष्यन्तसिंह, पूर्व विधायक सांगसिंह, पूर्व विधायक छोटूसिंह, जिला प्रमुख प्रतापसिंह, फतेहगढ़ प्रधान जनकसिंह, सुनीता भाटी, जनकसिंह सत्तो, छुगसिंह सोढा, पवनकुमारसिंह, कुणालसिंह, मूलसिंह भाटी, किशनसिंह भाटी, हड़वन्त सिंह, नरपतसिंह हरसाणी सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। गजरूप सागर, कपूरिया, जयसिंधर व अलेखपुरी मठ के महंतगण का भी सान्निध्य रहा। सभी वक्ताओं ने संत मूलचन्द जी के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला और उनसे प्रेरणा लेकर अपने जीवन को भी श्रेष्ठ बनाने की बात कही। विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित भी किया गया। तनसिंह सोढा काठा ने वर्तमान समय मे समाज में फैल रही नशे जैसी कुरीतियों को न अपनाने और शिक्षा पर अधिक जोर देने की बात कही। श्री क्षत्रिय युवक संघ के जैसलमेर संभाग प्रमुख तारेंद्र सिंह झिनझिनयाली ने कहा कि ऐसे संत और शूरवीरों की जयंती मनाना आवश्यक है जिससे आने वाली पीढ़ी उनसे प्रेरणा लेकर आगे बढ़ सके। उन्होंने पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष की जानकारी देते हुए सभी से दिल्ली में होने वाले मुख्य जयंती समारोह में सम्मिलित होने का निवेदन किया। पूर्व महारावल चैतन्य राज सिंह द्वारा मूलचंद जी भोजनशाला का लोकार्पण भी किया गया। कार्यक्रम में जिले के खडाल, जसोड़ाती, भणकमलाटी, दक्षिण बसिया, उतरी बसिया, सोढाण, खोखराटी, खावड़, कोटड़ा, राहड़की आदि गांवों के निवासी शामिल हुए। मंच संचालन दीपसिंह रणधा ने किया।

अजमेर, चितौड़गढ़ और केकड़ी जिलों में विशेष शाखाओं का आयोजन

पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त अजमेर प्रांत की विशेष साप्ताहिक शाखा का आयोजन सूपा गढ़ में 27 अगस्त को किया गया। संघ के अजमेर प्रांत प्रमुख विजयराज सिंह जालिया के निर्देशन में सामूहिक यज्ञ के पश्चात देशराज सिंह लिसाड़ीया द्वारा श्री क्षत्रिय युवक संघ व जन्म शताब्दी समारोह के बारे में जानकारी दी गई। जन्म शताब्दी वर्ष पताका व संघ साहित्य भी समाजबंधुओं को उपलब्ध करवाया गया। कार्यक्रम में चांद सिंह व नारायण सिंह सुंपा, अर्जुन सिंह सांपला, भंवर सिंह कल्याणपुरा, भगवान सिंह देवगांव, नारायण सिंह श्यामपुरा, लवराज सिंह श्यामपुरा, देवराज सिंह मेवदा (शाहपुरा), सत्येन्द्र सिंह गणपतिया खेड़ा, नरेन्द्र सिंह डोराई, भंवर सिंह खिरिया, विक्रम सिंह सांपला, राजबहादुर सिंह बिलियां सहित अनेकों समाजबंधु उपस्थित रहे। 27 अगस्त को ही चितौड़गढ़ स्थित जौहर भवन में भी कार्यक्रम आयोजित किया गया। नरेंद्र सिंह नरधारी द्वारा श्री क्षत्रिय युवक संघ के उद्देश्य व कार्यप्रणाली के बारे में बताया गया। लाल सिंह भाटिया खेड़ा, भंवर सिंह नेतावल गढ़ पाछली ने भी अपने विचार रखे और नियमित दैनिक शाखाएं प्रारंभ करने की बात कही। दिलिप सिंह रूद ने दिल्ली में आयोजित होने वाले जन्म शताब्दी समारोह में चित्तौड़गढ़ से अधिकतम संख्या में उपस्थिति की बात कही। चित्तौड़गढ़ प्रांत में बेगूँ मंडल के हरपुरा गांव में भी विशेष शाखा आयोजित हुई। जोगेंद्र सिंह छोटा खेड़ा, विक्रम सिंह झालरा, जुगनु सिंह खेड़िया,

सुर्यवीर सिंह खेड़ियां सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। 3 सितंबर को भदेसर तहसील के कांस्या कलां गांव में भी कार्यक्रम आयोजित हुआ। संघ के केंद्रीय कार्यकारी गंगा सिंह साजियाली ने संघ की कार्य पद्धति के बारे में विस्तार से बताया और कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ संस्कार निर्माण की पाठशाला है जहां क्षत्रियोचित गुणों का अभ्यास कराते हुए कौटुम्बीय जीवन जीना सिखाया जाता है। भंवर सिंह कांस्या कलां ने कहा कि हमें इतिहास से प्रेरणा लेनी चाहिए एवं इस प्रकार की शाखाएं प्रत्येक गांव में लगनी चाहिए। गजेंद्र सिंह कांस्या कलां ने व्यवस्था में सहयोग किया। इस दौरान संघ साहित्य, शताब्दी वर्ष पताका वितरण के साथ ही संघशक्ति, पथप्रेरक के सदस्य भी बनाए गए। इसी दिन केकड़ी जिले में भिनाय के जेमती माता मन्दिर रेण घाटी में भी विशेष शाखा आयोजित की गई।

अहमदाबाद जिले की छह तहसीलों में संपर्क यात्रा का आयोजन

मध्य गुजरात संभाग के अहमदाबाद ग्राम्य प्रांत में 3 सितंबर को अहमदाबाद जिले की बावला, धोलका, दसक्रोई, वीरमगाम, देत्रोज और मांडल तहसीलों में पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शाताब्दी वर्ष के निमित्त संपर्क यात्रा का आयोजन किया गया। संपर्क यात्रा के लिए 36 सहयोगियों को सात दलों में बांटा गया तथा इन दलों ने छह तहसीलों के बारह गांवों में संपर्क किया। बावला तहसील में रासम व कविठा, धोलका तहसील में आंबलियारा व चंडीसर, दसक्रोई तहसील में वसई व पालडी (कांकज), विरमगाम तहसील में उखलोड व भालाणा, देत्रोज तहसील में उघरोज व नदिशाला, मांडल तहसील में बालसासन व बामरोली गांवों में संपर्क करके समाजबंधुओं के साथ बैठक की गई। उघरोज में दो बैठकें आयोजित की गई। सभी बैठकों में यज्ञ व प्रार्थना से प्रारंभ के पश्चात श्री क्षत्रिय युवक संघ के संस्थापक पूज्य श्री तनसिंह जी का जीवन परिचय दिया गया। संघ के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई और सभी को दिल्ली में आयोजित होने वाले जन्म शताब्दी समारोह में शामिल होने के लिए निर्मंत्रित किया गया। साथ ही, आने वाले दिनों में काणेटी में आयोजित होने वाले बालिका शिविर तथा शिहोर में होने वाले बालकों के शिविर पर भी चर्चा की गई तथा समाजबंधुओं से अपने बच्चों को शिविर में भेजने का निवेदन भी किया गया। मध्य

गुजरात संभाग प्रमुख अणदुभा काणेटी, अहमदाबाद ग्राम्य प्रांत प्रमुख बटुकसिंह काणेटी, चरोतर प्रांत प्रमुख अरविंद सिंह काणेटी व वरिष्ठ स्वयंसेवक दीवान सिंह काणेटी सहयोगियों सहित यात्रा में शामिल रहे। अनिल सिंह गोधावी (प्रमुख श्री राजपूत विकास ट्रस्ट, साणंद), जीलुभा साणंद (उप प्रमुख श्री राजपूत विकास ट्रस्ट, साणंद), हरपाल सिंह खोड़ा, राजभा साणंद, नवल सिंह पीपण, आनोपसिंह सनाथल, रवुभा वासना, जितुभा साणंद आदि ने व्यवस्था में सहयोग किया। इसी क्रम में 10 सितंबर को बावला तहसील के बलदाणा व नानोदरा गांव, धोलका तहसील के वारणाव वटामण गांव, दशक्रोई तहसील के काशीन्द्रा, विसलपुर, ओड (कमोड) और जेतलपुर गांव, साणंद तहसील के बकराणा गांव में संपर्क किया गया।

तारानगर (चुरू) क्षेत्र में किया सम्पर्क

पूज्य श्री तनसिंह जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में दिल्ली में आयोजित समारोह के आमंत्रण के लिए एवं 22 से 25 सितंबर तक तारानगर में आयोजित होने वाले प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर के लिए तारानगर के आसपास के गांवों में 9 व 10 सितम्बर को सम्पर्क किया गया। संघ के स्वयंसेवक मातु सिंह मानपुरा, शक्ति सिंह आशापुरा, वीरबहादुर सिंह कोटड़ी, जितेंद्र सिंह कोटड़ी ने क्षेत्र के तोगावास, भालेरी, कोहिणा, पुनरास, रेडी, सराहण, मेघसर, सहावा, भलाऊ ताल, दुलेरी, तारानगर, कोटड़ी, अलायला, सात्युं, राजपुरा, हड़ियाल, ब्रह्मनगर, ढाणी मोतीसिंह, ढाणा पट्टा, राजपुरा, ढिंगी, अमरपुरा आदि गांवों में संपर्क कर समाज बंधुओं को जन्म शताब्दी समारोह का निमंत्रण दिया एवं तारानगर शिविर के लिए बालकों एवं उनके अभिभावकों से संपर्क किया।

पुणे की शाखाओं का सामूहिक भ्रमण कार्यक्रम संपन्न

श्री क्षत्रिय युवक संघ के पुणे प्रांत की सभी शाखाओं का एक दिवसीय सामूहिक भ्रमण कार्यक्रम 10 सितंबर को रखा गया। सभी शाखाओं के स्वयंसेवक मिलकर पर्वती हिल्स पर पहुंचे यहां भ्रमण के साथ ही शाखाओं में संख्या बढ़ाने और अगले माह विजयवाड़ा में आयोजित होने वाले प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर की तैयारियों पर चर्चा की। साथ ही पूज्य तनसिंह जी जन्म शताब्दी समारोह के संबंध में भी चर्चा की गई। रामसेतु पुनर्निर्माण के लक्ष्य को लेकर साइकिल पर बारह ज्योतिर्लिंग व चार धाम की यात्रा पर निकले बनासकांठा जिले के नारोली गांव के जनक सिंह से भी स्वयंसेवकों ने भेंट की।

मोरना (बिजनौर) में स्नेहमिलन संपन्न, जन्म शताब्दी समारोह हेतु संपर्क

पूज्य श्री तनसिंह जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त दिल्ली एनसीआर प्रांत द्वारा एक दिवसीय स्नेहमिलन कार्यक्रम का आयोजन 27 अगस्त को मोरना के महाराजा मुकुट सिंह संस्थान में किया गया। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बिजनौर एवं मुरादाबाद जनपद क्षेत्र के अनेकों गांवों के सैकड़ों समाजबंधु कार्यक्रम में उपस्थित रहे। श्री क्षत्रिय युवक संघ के दिल्ली एनसीआर प्रांत प्रमुख रेवत सिंह धीरा द्वारा दिल्ली में 28 जनवरी 2024 को होने वाले शताब्दी वर्ष समारोह के लिए सबको निमंत्रित किया गया, साथ ही सितंबर माह में मोरना में आयोजित होने वाले श्री क्षत्रिय युवक संघ के शिविर में क्षेत्र के युवाओं की भागीदारी पर भी चर्चा की गई। जन्म शताब्दी समारोह हेतु संपर्क यात्राओं की योजना तय की गई एवं डॉ. प्रमेन्द्र सिंह मोलावाला, डॉ. सुधेश सिंह, राजकुमार सिंह मुरादाबाद, वीर सिंह, राजवीर सिंह फतहपुर बुलंदी एवं अन्य सहयोगियों द्वारा इसके लिए जिम्मेदारी ली गई। कार्यक्रम में धनंजय सिंह मोरना, प्रशांत सिंह मोरना, निगम सिंह मोरना, जयंत सिंह सरकथल माधो, प्रीयाशु सिंह मोरना, यतेंद्र सिंह मिल्क स्याउ, प्रेम सिंह दूधवा व अन्य सहयोगी उपस्थित रहे।

झलोड़ा में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव, जन्म शताब्दी समारोह का दिया निमंत्रण

जैसलमेर जिले के झलोड़ा गांव में स्थित श्री कृष्ण भगवान के नवनिर्मित मंदिर में प्रतिमा प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव 3-7 सितम्बर तक आयोजित हुआ। कलश स्थापना के साथ प्रारंभ हुए महोत्सव में गांव में शोभायात्रा, हवन, श्रीमद्भगवद्गीता का पाठ, जागरण, भजन गायन व दही हंडी महोत्सव का आयोजन किया गया। समारोह में आसरी मठाधीश त्रिलोकनाथ महाराज, स्वामी जी ढाणी मठाधीश रावलपुरी महाराज, तारातरा मठाधीश प्रतापपुरी महाराज, भियाड़ मठाधीश मगनपुरी महाराज, शेरगढ़ मठाधीश शिवगिरी महाराज सहित जिलेभर के जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न गांवों से सैकड़ो श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। श्री क्षत्रिय युवक संघ के पोकरण प्रांत प्रमुख नरपतसिंह राजगढ़ ने महोत्सव में सम्मिलित होकर श्री क्षत्रिय युवक संघ का संक्षिप्त परिचय दिया और पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी समारोह में शामिल होने के लिए दिल्ली में अधिकतम संख्या में पहुंचने के लिए सभी को आमंत्रित किया।

(पृष्ठ एक का शेष)

निरंतर जारी है...

प्रांत प्रमुख नत्थू सिंह छापड़ा भी सहयोगियों सहित शिविर में उपस्थित रहे। शेखावाटी संभाग में चुरू प्रांत के सरदारशहर क्षेत्र के मितासर गांव में भी एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर इसी अवधि में संपन्न हुआ। संभाग प्रमुख खींव सिंह सुल्ताना ने शिविर का संचालन किया। उन्होंने शिविर के अंतिम दिन शिविरार्थियों को विदाई देते हुए कहा कि इन चार दिनों में आपने क्षात्र धर्म पालन का जो पाठ सीखा है, उसे यहाँ से जाने के बाद भी भूलना नही है। हमें पूज्य श्री तनसिंह जी के बताए मार्ग पर निरन्तर चलते रहना है और इसके लिए हमें शिविरों व शाखाओं के द्वारा संघ से निरंतर जुड़े रहना होगा, अन्यथा हम भी संसार के विषाक्त वातावरण से प्रभावित हुए बिना नही रह सकते। उन्होंने कहा कि आप समाज में विष तत्व को समाप्त कर अमृत तत्व का सृजन करेंगे, इसी विश्वास के साथ आपको संघ द्वारा विदाई दी जा रही है। शिविर में मितासर, आसलसर, नुवां, सरदाशहर, पातलीसर, गाजूसर, सोनपालसर, कवलासर आदि गांवों के 100 युवाओं ने भाग लिया। भगवान सिंह व दशरथ सिंह मितासर ने ग्रामवासियों के साथ मिलकर व्यवस्था में सहयोग किया। बीकानेर संभाग के श्री डूंगरगढ़ प्रांत के सोनियासर गांव में स्थित श्री महाराणा प्रताप शिक्षण संस्थान परिसर में भी 27 से 30 अगस्त तक श्री क्षत्रिय युवक संघ के प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन हुआ।

चित्तौड़गढ़

धवला

शिविर का संचालन करते हुए गुलाब सिंह आशापुरा ने शिविरार्थियों से कहा कि वर्तमान समय में समाज को सर्वाधिक आवश्यकता संस्कारों के निर्माण की है। पूज्य तनसिंह जी द्वारा स्थापित श्री क्षत्रिय युवक संघ इस महत्ती आवश्यकता को पूरी करने के लिए ही कार्य कर रहा है। आज के प्रतिकूल वातावरण में सद्संस्कारों का निर्माण अति कठिन है इसलिए बहुत अधिक परिश्रम और धैर्य की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि संघ का शिक्षण युवाओं में समाज और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व की भावना जगाता है। शिविर में झंझेऊ, पुंदलसर, कातर, सोनियासर, आसरासर, कितासर, जालबसर, तेहनदेसर, सूरतसिंह पुरा आदि गांवों के 100 युवाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। जीतू सिंह, देवी सिंह, नरेंद्र सिंह, विक्रम सिंह, आसू सिंह आदि ने ग्रामवासियों के साथ मिलकर व्यवस्था में सहयोग किया। बाड़मेर संभाग में चौहटन क्षेत्र के बादराणी गांव में भी इसी अवधि में एक शिविर का आयोजन हुआ। गणपत सिंह बूठ द्वारा शिविर का संचालन किया गया। उन्होंने विदाई कार्यक्रम में शिविरार्थियों से कहा कि अगर क्षत्रिय अपना स्वाभाविक कर्म करना शुरू कर देता है तो संसार अपने आप सत्व मार्ग पर बढ़ने लगेगा। हमे हमारे अंदर बैठी आततायी शक्तियां काम, क्रोध, मोह, लोभ आदि आगे बढ़ने नही देती। ऐसी बुराइयों को त्यागकर स्वयं को श्रेष्ठ बनाएं। उन्होंने कहा कि इस लोकतान्त्रिक शासन व्यवस्था में हम स्वयं को स्थापित करना चाहते हैं तो संगठित रहना आवश्यक है। हम संघ के माध्यम से सम्पूर्ण समाज को संगठित कर क्षत्रिय संस्कारों को जीवन में उतारकर आगे बढ़ें तो संसार के अन्य लोग भी हमारे साथ चलना शुरू कर देंगे। शिविर में क्षेत्र के विभिन्न गांवों के 156 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। वरिष्ठ स्वयंसेवक उदय सिंह देदूसर, प्रान्त प्रमुख लाल सिंह आकोड़ा सहयोगियों सहित शिविर में उपस्थित रहे। बाड़मेर में राणेजी की बस्ती कोटडा में भी एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन हुआ। भगवान सिंह दूधवा ने शिविर का संचालन करते हुए शिविरार्थियों से कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ विगत 77 वर्षों से समाज के युवकों में संस्कारों के बीजारोपण का कार्य करता आ रहा हैं। पूज्य तनसिंह जी ने जिन आर्दशों को जीवन व्यवहार में अपनाकर हमें मार्ग दिखाया, उन्हीं आदर्शों को जीवन में उतारने का अभ्यास हम भी यहां कर रहे हैं। उन्होंने शिविर की सभी गतिविधियों में पूर्ण मनोयोग से भाग लेने की बात कही। शिविर में जालेला, कोटडा, भिंयाड, बलाई, विरध सिंह की ढाणी, धारवी, हरसाणी, तेजमालता सहित शिव प्रान्त के अनेकों गांवों के 150 युवाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर व्यवस्था में दशरथ सिंह कोटडा ने ग्रामवासियों के साथ मिलकर सहयोग किया। वरिष्ठ स्वयंसेवक भवानी सिंह मुंगेरिया व संभाग प्रमुख महिपालसिंह चूली भी सहयोगियों सहित शिविर में उपस्थित रहे। जोधपुर संभाग के ओसियां-फलोदी प्रांत के इन्दो का बास देणोक गाँव में भी एक शिविर इसी अवधि में संपन्न हुआ। गेन सिंह चाँदनी ने शिविर का संचालन किया। उन्होंने शिविर में उपस्थित युवाओं से कहा कि जिस समाज में संगठन है, एकता है, वही समाज मजबूत बन सकता है। इसीलिए श्री क्षत्रिय युवक संघ समाज को संगठित करने के लिए कार्य कर रहा है। हम सब इस संगठन की मजबूत कड़ी बनें और समाज को शक्तिशाली बनाएं, इसीलिए संघ अपने शिविर में हमें इस कठिन प्रशिक्षण से गुजार रहा है। शिविर में देणोक, इंदों का बास, आउ, बापिणी, बेदू, कड़वा, भादा, सिड्डा, पीलवा, ओसियां आदि गांवों से 150 युवाओं ने प्रशिक्षण लिया। इसी अवधि में एक शिविर बालोतरा संभाग के साजियाली गांव में भी आयोजित हुआ। संभाग प्रमुख मूल सिंह काठाडी ने शिविर का संचालन करते हुए उपस्थित युवाओं से कहा कि पूज्य श्री तनसिंह जी के संदेश को हमें घर घर तक पहुंचाना है। उनकी समाज के प्रति जो पीड़ा थी, वो पीड़ा हमें सबके हृदय में जगानी है। ऐसा तभी होगा जब हर गांव में, हर ढाणी में श्री क्षत्रिय युवक संघ की शाखा लगनी प्रारंभ होगी। आप सभी को भी यहां से वापिस जाकर अपने क्षेत्र में संघ की शाखा लगानी है और संघ की बात सब तक पहुंचानी है। उन्होंने बताया कि संघ अपने जीवन में निखार लाने का मार्ग है। हम खुद को संघ को सौंपेंगे तो संघ हमें समाज और राष्ट्र का श्रेष्ठ नागरिक बनाएगा। शिविर में साजियाली, लापुदडा, जाजवा, कोलू, चिड़ियां, चांदेसरा आदि गांवों से तथा वीर दुर्गादास छात्रावास बालोतरा से 190 युवाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। समस्त ग्रामवासियों ने मिलकर व्यवस्था में सहयोग किया। जालौर जिले के धवला गांव स्थित माताजी मंदिर में भी एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुआ। ईश्वर सिंह सांगाणा ने शिविर का संचालन किया। उन्होंने अंतिम दिन शिविरार्थियों को विदाई देते हुए कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ समाज के बालकों को सामूहिक संस्कारमयी कर्मप्रणाली के माध्यम से संस्कारित करने का कार्य कर रहा हैं। लगातार दूषित हो रही संस्कृति के कारण आज हमारे अंदर अनेक प्रकार के विकार आ गए हैं, जिनके कारण संसार में क्षत्रिय की उपयोगिता कम हुई है। उर्द्धवगामी साधना पर चल कर पुनः हमें उस श्रेष्ठता को पाना है, जिससे प्रेरित होकर संसार हमारा अनुकरण करे। शिविर में धवला, मंडला, उखरड़ा, बेदाना, अगवरी, मांडानी, चांदना, जोगावा, कांबा आदि गांवों के 170 शिविरार्थियों ने भाग लिया। नागौर जिले के कोनियाड़ा (छोटी खाटू) स्थित श्री अमर सिंह राठौड़ राजपूत सभा भवन में 7-10 सितंबर तक श्री क्षत्रिय युवक संघ का प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर साधना संगम संस्थान कुचामन सिटी के तत्वावधान में संपन्न हुआ। लाडनूं प्रांत प्रमुख विक्रम सिंह ढींगसरी द्वारा शिविर का संचालन किया गया। उन्होंने शिविरार्थियों को समुद्रगुप्त, राष्ट्रनायक दुर्गादास, महाराणा प्रताप, अमर सिंह राठौड़, राणा सांगा, लोक देवता गोगाजी, पाबूजी, रामदेव जी, हड़बूजी आदि महापुरुषों के जीवन चरित्र के बारे में बताया और कहा कि जिस प्रकार हमारे पूर्वजों ने दूसरों के लिए जीवन जीते हुए इस देश, समाज, संस्कृति और धर्म की रक्षा की उसी तरह हमें भी आज के समय में फैली नकारात्मकता से समाज की रक्षा करनी है। ऐसा करके ही हम अपने क्षात्रधर्म का पालन कर सकते हैं। शिविर में छोटी खाटू, कोनियाड़ा, भकरी, बड़ी खाटू, बरनेल, सागु बड़ी, डढेल, ऊंचाईड़ा, मंगलपुरा, बेगसर, गांवड़ी, खामियाद आदि गांवों के 65 युवाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। नागौर जिले में ही गोटन स्थित छेपिया नाडा नारायण दास जी महाराज मंदिर में भी इसी अवधि में एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुआ। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी गजेंद्र सिंह आऊ ने शिविर का संचालन करते हुए शिविरार्थियों से कहा कि ईश्वर ने हमें राजपूत जाति में जन्म दिया है। इसी जाति में श्री राम, श्री कृष्ण, हड़बूजी, मेहाजी, मांगलिया जी, पाबूजी राठौड़, रामदेव जी, राव चांदा जी, बल्लू जी चंपावत, महाराणा प्रताप, जयमल जी, मीराबाई, अमर सिंह राठौड़ जैसे अनगिनत महापुरुष जन्मे हैं जिन्होंने न केवल कुल का मान बढ़ाया बल्कि समाज और राष्ट्र को भी गौरवान्वित किया। इसलिए ऐसी महान जाति में जन्म के महत्त्व को समझकर पूर्वजों

सोनियासर

देणोक

कोटड़ा

गोटन

के मार्ग पर हम चलें, इसका प्रयास श्री क्षत्रिय युवक संघ कर रहा है। उन्होंने कहा कि क्षात्रधर्म में अधिकार की बजाय सदैव कर्तव्य को प्राथमिकता दी जाती है इसीलिए यह संपूर्ण मानवता के कल्याण का मार्ग है। लेकिन यह मार्ग आसान नहीं है। यह त्याग और बलिदान का मार्ग है और आज की विपरीत परिस्थितियों में इस मार्ग को अंगीकार करने वाले बहुत कम है। शिविर में जिले के विभिन्न गांवों के 135 युवाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। विदाई कार्यक्रम में संभाग प्रमुख शिंभू सिंह आसरवा सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। दिल्ली एनसीआर प्रांत का चार दिवसीय शिविर भी इसी अवधि में गुरुग्राम जिले के वजीरपुर गांव में स्थित नीमराना पैलेस में आयोजित हुआ। शिविर का संचालन प्रांत प्रमुख रेवत सिंह धीरा ने किया। उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि हम जिन कार्यों का बार-बार अभ्यास करते हैं उन्हीं से हमारा आचरण बनता है और आचरण से ही हमारा चरित्र बनता है। इसीलिए श्री क्षत्रिय युवक संघ हमें अपने शिविरों में लाकर क्षत्रियोचित आचरण का अभ्यास कराता है। शिविर में दिल्ली एनसीआर में रहने वाले राजपूत युवाओं के साथ राजस्थान, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश आदि राज्यों के भी युवा उपस्थित रहे। तिलक राज सिंह चौहान एवं वजीरपुर सरपंच शेर सिंह ने ग्राम वासियों के साथ मिलकर व्यवस्था में सहयोग किया। पूर्वी राजस्थान संभाग प्रमुख मदन सिंह बामणिया सहयोगियों सहित शिविर में उपस्थित रहे। चितौड़गढ़ के गांधीनगर स्थित जौहर भवन में बालिका वर्ग का दो दिवसीय बाल शिविर 9-10 सितंबर को आयोजित हुआ। शिविर में पांच से बारह वर्ष आयुवर्ग की 90 बालिकाओं ने भाग लिया। शिविर में लक्ष्मी कंवर खारड़ा, मीना कंवर चाकूड़ा, निर्मला कंवर ऊलपुरा, डिंपल कंवर दौलतगढ़ द्वारा बालिकाओं को अपनत्व भरे वातावरण में संघ से परिचित कराया गया।

इतिहास विकृतिकरण के विषय में हरको बैंक चेयरमैन को सौंपा मांग पत्र

क्षत्रिय सम्राट मिहिरभोज प्रतिहार प्रतिमा विवाद और कलायत में क्षत्रिय समाज द्वारा जारी धरने को लेकर प्रदेश संघर्ष समिति के सदस्यों ने हरको बैंक चेयरमैन हुकम सिंह भाटी के साथ फरीदाबाद के सेक्टर - 2 में बैठक की और उन्हें पंचसूत्री मांगपत्र सौंपा। हुकम सिंह ने विवाद को हल करने और विकृतिकरण को रोकने के लिए मुख्यमंत्री तक बात पहुंचाने का आश्वासन दिया। 4 सितंबर को आयोजित बैठक में संघर्ष समिति के राजेश रावत, प्रताप भाटी, नारायण सिंह शेखावत व वीरेंद्र गौड़ उपस्थित रहे।

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक व हम सबके सहयोगी

झबर सिंह लुणाखुर्द, जितेन्द्र सिंह जानरा, जीवराज सिंह म्याजलार, कमेंद्र सिंह जिंजनियाली, मदन सिंह पारेवर व **हरपाल सिंह भादरिया** का अध्यापक लेवल प्रथम में अंतिम रूप से चयन होने की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

मदनसिंह पारेवर

झबर सिंह लुणाखुर्द

जीवराज सिंह म्याजलार

जितेन्द्र सिंह जानरा

हरपाल सिंह भादरिया

कमेंद्र सिंह जिंजनियाली

शुभेच्छु: **सांवल सिंह** मोढ़ा, **गणपत सिंह** अवाय, **भवानी सिंह** मुंगेरिया, **शैतान सिंह** जिंजनियाली, **उम्मेद सिंह** बडोड़ागांव, **रतन सिंह** बडोड़ागांव, **शम्भू सिंह** जिंजनियाली, **जितेंद्र सिंह** पारेवर, **रणजीत सिंह** चौक, **धर्मपाल सिंह** आसकन्दरा, **बाबू सिंह** सोनू (सूरत), **महिपाल सिंह** मोढ़ा, **कंवराज सिंह** सेतरावा, **सांवल सिंह** भैंसड़ा, **नरपत सिंह** लुणाखुर्द, **राम सिंह** संग्राम सिंह की ढाणी, **शम्भू सिंह** फुलिया, **सुरेंद्र सिंह** पोछिणा (द्वितीय), **प्रेम सिंह** जिंजनियाली, **शंकर सिंह** राजमथाई (सूरत)।

श्री संघशक्ति प्रकाशन प्रन्यास (मालिक) के लिए मुद्रक व प्रकाशक लक्ष्मणसिंह द्वारा गजेंद्र प्रिन्टर्स, सांगों का रास्ता, किशनपोल बाजार, जयपुर-302003 (दूरभाष 2313462) से मुद्रित एवं ए/8, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर- 302012 **(दूरभाष: 2466353 व 2466387)** से प्रकाशित। सम्पादक- लक्ष्मणसिंह। Email:- pathprerak1997@gmail.com, Web site:- www.shrikys.org